http://www.sgbauonline.com/

B.A. (Part–I) Semester–II Examination
(Literature of Modern Language)
HINDI LITERATURE

समय : तीन घण्टे] [पूर्ण : 80

1. संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 8

(अ) टिकट, टिकट, टिकट हर बात में, हर काम में, हर स्थान पर टिकट। अगर टिकट है तो जहाँ चाहिए बेधड़क चले जाइए, जिस कुर्सी पर जी चाहे, उचक कर बैठ जाइए, जो चीज चाहिए धड़ से उठाइए। उसको प्राप्त करने के लिए लोग कितनी उत्कण्ठा और आतुरता से लम्बे-लम्बे क्यू में खडे घण्टों मक्खी मारा करते हैं। मिल गया तो मानो जग लूटा, नहीं मिला भाग्य फूटा।

अथवा

लेटे-लेटे उसे लगा यह बिस्तर नहीं कब्र है जिसमें वह पड़ी है, निस्पंद, निश्चेष्टा उसके आसपास गहरा गाढ़ा अँधेरा है। कभी न खत्म होनेवाली एक निरंतरता उसे मिल गई है; उसमें न किसी की डॉट है, न फटकार, न आरोप न खंडन। यहाँ वह पूरी तरह स्वतंत्र और स्वधर्मी है। वह अपने फैसले खुद ले सकती है। अपनी गलतियाँ स्वयं कर स्वधर्मी है। यह उसका साम्राज्य है।

(आ) 'मैं नरक से बोल रहा हूँ' कहानी में निहित लेखक के व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए। 8

अथवा

'सोम बुआ के लिए अकेलापन अभिशाप बन गया है। अकेली कहानी के आधार पर तर्कपूर्ण उत्तर लिखिये।

2. (इ) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :– 8

हम पहले से सुखी हैं। हमारी पीड़ा धीरे-धीरे दूर हो रही है। हम स्वस्थ हो रहे हैं.....न जाने इसके रूई जैसे कोमल शरीर पर उससे बाण छोड़ते बना कैसे ? यह कुलांच भरता मेरी गोद में आ गया। मैंने कहा, तुझे वहाँ ले चलता हूँ जहाँ तुझे अपनी माँ की-सी आँखे और उसका-सा ही स्नेह मिलेगा।

अथवा

'जैसे तुमसे बाहर जीवन की गति ही नहीं है। तुम्हीं तुम हो और कोई नहीं है। परन्तु समय निर्दय नहीं है। उसने औरों को भी सत्ता दी है। अधिकार दिये हैं। वह धूप और नैवेद्य लिए घर की देहली पर रुका नहीं रहा। उसने औरों को अवसर दिया है । निर्माण किया है।... तुम्हें उसके निर्माण से वितृष्णा होती है ? क्योंकि तुम जहाँ अपने को देखना चाहते हो, नहीं देख पा रहे ?

(ई) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की नाटक के तत्वों के आधार पर विवेचना कीजिए। 8

अथवा

"आषाढ़ का एक दिन" नाटक का प्रमुख पात्र कौन है ? अपने मत को सिद्ध करते हुए उस पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

3. कहानी की परिभाषा देते हुए उसके तत्वों की और कहानी के विकास यात्रा का वर्णन कीजिए। 16

अथवा

'संस्मरण' इस साहित्यिक विधा का सामान्य परिचय देते हुए उसकी महत्ता की विवेचना कीजिए।

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

4. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लगभग बीस-पच्चीस पंक्तियों में लिखिए :– 16

(1) 'नैराश्य' कहानी के शीर्षक की सार्थकता लिखिए।

(2) 'प्रायश्चित' कहानी का सारांश लिखिए।

(3) 'खून का रिश्ता' कहानी में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

(4) मातुल की स्वभावगत विशेषताएं लिखिए।

(5) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का उद्देश्य लिखिए।

(6) अम्बिका की व्यथा को विवेचित कीजिए।

5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :– 16

(1) नैराश्य कहानी के लेखक _____ हैं। (अमरकांत, प्रेमचंद, जैनेन्द्रकुमार)

(2) 'दोपहर का भोजन' कहानी की नायिका का नाम लेखिए।

(3) "माँ जी, बिल्ली तो उठकर भाग गई!" यह कथन किसका है ? (रामू की बहू, मिसरानी, महरी)

(4) _____ कहानी दामोदर खड़से द्वारा लिखित है। (उमस, छड़ी, पाजेब)

(5) "एक थप्पड़ मैं तेरे मुँह पर लगाऊँगा, तुमने क्या मुझे बच्चा समझ रखा है ?"
(यह कथन किसने किससे कहा?)

(6) 'पाजेब' यह कहानी _____ है (सामाजिक, राजनीतिक, मनोवैज्ञानिक)

(7) कालिदास के मामा का नाम _____ है। (दन्तुल, मातुल, निक्षेप)

(8) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में मुख्य भूमिका _____ की है। (अम्बिका, मल्लिका, कालिदास)

(9) 'कालिदास' यह पात्र काल्पनिक है। (सत्य/असत्य)

(10) 'जीवन की स्थूल आवश्यकताएँ ही तो सब कुछ नहीं हैं।' यह कथन किसका है ? (अम्बिका, मल्लिका प्रियंगुमंजरी)

(11) 'आप बहुत उदार हैं। परन्तु हमें ऐसे ही घर में रहने का अभ्यास है इसलिए असुविधा नहीं होती।'
(यह कथन किसने किससे कहा है)

(12) खंडकाव्य के किन्हीं दो तत्वों के नाम लिखिए।

(13) किसी एक मिथलीय खंडकाव्य का नाम लिखिए।

(14) कहानी में _____ कथावस्तु होती है। (1, 2, 3)

(15) नाटक दृश्य माध्यम है। (सत्य/असत्य)

(16) 'संस्मरण' विधा कल्पना पर आधारित होती है। (सत्य या असत्य)

http://www.sgbauonline.com/